नूतन निबन्ध रचना

(हाईस्कूल कक्षा के छात्र तथा छात्राओं के लिये
विशेष उपयोगी पुस्तक)

श्री स्वाधीनजी की 'नूतन निबन्ध रचना' नामक पुस्तक मैंने देखी। लेखक ने इस पुस्तक मे अनेक विषयों का समावेश किया है। प्रारम्भिक काल मे विद्यार्थियो को साधारण ज्ञान तथा लेखन कला का विकास करने मे कठिनतायें पडती है उनका ध्यान रखते हुए यह पुस्तक लिखी गई हैं। विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिये यह लाभ प्रद हो सकती है।

देवीशकर तिवाडी
भूतपूर्व शिक्षा मत्री, जयपुर

लेखक—
जगदीशस्वरूप माथुर
'स्वाधीन'